अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023) दिनांक : 20.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

आचार्य कालूगणी–0

प्र. 1 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) चुरू में कालूगणी और युवाचार्य गणेशीलाल जी की चर्चा का विषय क्या था?

(ख) बगड़ी में दीक्षा-विरोध को विफल करने में मुख्य भूमिका किसकी रही?

(ग) कालूगणी किसकी प्रार्थना पर इन्दौर में होली पर्व तक रूके? तथा उस समय उन्होंने क्या किया?

(घ) कालूगणी ने मुनि रावतमल जी के फोड़े का क्या इलाज बताया?

(ङ) कालूगणी में मुझे एक सहज सन्त के दर्शन होते हैं। यह कथन कहाँ और किसने कहे?

(च) परिहास स्वरूप एक पद का बार-बार उच्चारण करने पर कालूगणी ने किसे और क्या दण्ड दिया?

(छ) 'तुने आज मेरी एक चिरकालीन भावना पूरी की है।' कालूगणी ने यह कथन किससे और किसके संदर्भ में कहे?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 10

(क) कालूगणी ने सरदारशहर निवासी जयचन्द लाल जी बरड़िया को रोकड़ मिलाने की प्रेरणा किस प्रकार दी?

(ख) दांतीजी को तेरापंथ की मान्यताओं पर हंसते हुए देखकर कालूगणी ने क्या कहा?

(ग) मुनि जीवराज जी को पानी का संविभाग भंग करने पर क्या उपालंभ मिला?

(घ) नव विकास के लिए कालूगणी द्वारा निर्मित सिंघाड़ों का नामोल्लेख करें।

(ङ) कालूगणी के युग में लिपिकला के लिए कौन-कौन से सन्त प्रसिद्ध थे?

(च) कालूगणी ने स्वप्न में देखा मुनि तेजमाल जी ने अपने सहयोगी एक सन्त के साथ दर्शन किये हैं। कालान्तर में वह फलित कैसे हुआ?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) तीन नहीं, तैंतीस घटना प्रसंग लिखें।

(ख) सिद्ध करें कि कालूगणी में श्रम के प्रति पूर्ण निष्ठा थी।

(ग) 'तुच्छ' शब्द घटना प्रसंग लिखें।

प्र. 4 कालूगणी की 'मेवाड़ यात्रा' का उल्लेख करें। 14

अथवा

सामाजिक-झगड़े का विशद विवेचन करें।

युग प्रधान आचार्य तुलसी–35

प्र. 5 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) आचार्य तुलसी वियोगिनी महिलाओं को किस अभिशाप से मुक्ति दिलाना चाहते थे?

(ख) संस्कृत पद्य साहित्य लिखने में आचार्य तुलसी का मुख्य उद्देश्य क्या था?

(ग) आचार्य तुलसी की आत्मकथा का सर्वाधिक सशक्त एवं प्रामाणिक आधार क्या है?

(घ) 'संयमः खलु जीवनम्' घोष की सार्थकता क्या है?

(ङ) आचार्य तुलसी के शासनकाल में ग्रन्थागार में कितनी पुस्तकें थी?

(च) 'अशान्त विश्व को शान्ति का संदेश' पुस्तक के प्रकाशन के विषय में गांधीजी ने क्या कहा?

(छ) 'जैन विश्व भारती' की गतिविधियां किन उद्देश्यों के साथ प्रारम्भ हुई?

(ज) तेरापंथ के आचार्यों के लिए करणीय कार्य में मुख्य कार्य क्या होता है?

(झ) आचार्य तुलसी को 'लिविंग विद परपज' ग्रन्थ किसने व कहां भेंट किया?

(ञ) अल्बर्ट आइंस्टीन ने महात्मा गांधी के विषय में क्या लिखा?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) सांप्रदायिक सद्भावना के सूत्रों को लिखें।

(ख) आचार्य तुलसी को 'वाक्पति' की उपाधि कब व किस प्रकार प्रदान की गई?

(ग) 'मैं आक्रमण नहीं करूंगा'। इस धारा की उपधाराएं कौन सी है?

प्र. 7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'जो हमारा हो विरोध हम उसे समझे विनोद।' इस घोष की सफलता पर प्रकाश डालें।

(ख) संक्षेप में स्पष्ट करें कि आचार्य तुलसी 'अछूतों के मसीहा' थे।

प्र. 8 समस्याओं के समाधान में आचार्य तुलसी के योगदान पर प्रकाश डालें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि रूढ़िवादी समाज के दृष्टिकोण को बदलने में आचार्य तुलसी को अतिरिक्त समय और शक्ति का नियोजन करना पड़ा।

तुलसी-प्रबोध–21

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) तेरापंथ.....जा र हो।।

(ख) सरस्वती.....साहित्कार हो।।

(ग) अंतरंग.....सरदार हो।।

(घ) पिचहत्तरवों.....झाड़-बुहार हो।।

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) अभिनव.....अजमा र हो।।

(ख) प्रथम.....इकरार हो।।

(ग) आगै बढ्यो.....अन्धार हो।।

(घ) रंगभवन.....बहार हो।।

(ङ) महाराजा.....रिझवार हो।।

तेरापंथ-प्रबोध–9

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों को लिखें– 9

(क) 'बदले युग की धारा।' गीत वाला पद्य।

(ख) 'भादूड़ी तेरस आई है।' गीत वाला पद्य।

(ग) 'महाश्रमणी-महाश्रमण।' वाला पद्य।

(घ) 'केसर-भंडारी' वाला पद्य।

(ङ) 'भिक्खू-दृष्टांत' वाला पद्य।